राजस्थान बोर्ड

कक्षा-**९** | संस्कृत व्याकरण

Under CSR Support by IPCa | Foundation INCOMPANY INCOMPA

अध्याय – १५ | शब्द रूपाणि

QUIZ-01

1. 'वारि' शब्दस्य षष्ठी विभक्तेः बहुवचनरूपं किम् ?			६. सीतासह वनम् अगच्छत् ।		
A. वारीणाम्	B. वारेः		A. रामं	B. रामस्य	
C. वारस्य	D. वाराणाम्	(A)	C. रामः	D. रामेण	(D)
व्याख्या : वारि शब्द इकरांत न	पुंसकलिंग शब्द है इसकी	षष्ठी	<i>व्याख्या :</i> सह' अर्था	त् 'के साथ' शब्द से जिसके साथ जार	या जाता है
विभक्ति बहुवचन में वारीणाम् रूप बनता है।			उसमें तृतीया विभक्ति का प्रयोग होता है।यहां सीता राम के साथ वन		
2. पिता आशीर्वादं यच्छति			जाती है अतः राम शब्द में तृतीया विभक्ति का प्रयोग होगा। राम शब्द		
A. पुत्रान् B. पुत्रेभ्यः			अकारांत पुल्लिंग है अतः तृतीया विभक्ति रामेण शब्द उचित होगा।		
С. <u>पुत्राः</u>	D. पुत्रं	(B)	७उभयतः वृष्ट		
<i>व्याख्या</i> : दा , यच्छ धातुओं के		` '	A. विद्यालयात	,	
			C. विद्यालेन	D. विद्यालयस्य	(B
चतुर्थी विभक्ति का प्रयोग होता है। यहां पिता पुत्रों के लिए आशीर्वाद दे रहा है अतः पुत्र शब्द में चतुर्थी विभक्ति बहुवचन का			व्याख्या : उभयतः,परितः,समया,निकषा आदि शब्दों के साथ द्वितीय		
प्रयोग होगा। पुत्र शब्द अकारांत पुल्लिंग है अतः चतुर्थी विभक्ति			विभक्ति का प्रयोग होता है।यहां उभयत: का अर्थ है दोनों ओर।		
			विद्यालय के दोनों और पेड़ हैं इस अर्थ से यहां विद्यालय शब्द		
बहुवचन में पुत्रेभ्य: शब्द बनेगा। 3. या श्रमेण पठतिएव साफल्यं लभते			द्वितीया विभक्ति एकवचन में प्रयुक्त हुआ। ८गीतानि गायन्ति		
	•				
A. तौ -	B. ते	(-)	A. छात्रा:	B. छात्रा D. स्प्राचीर	(A)
C. सः	D. तत्	(C)	C. छात्र स्यापनाः , गरां कि	D. छात्राभिः गा गागन्ति प्रथम प्रकृष बहुवन्तर की र्ग	(A) टिक्सा है टार्स
व्याख्या: जो श्रम से पढ़ता है वह ही सफलता प्राप्त करता है। यहां			व्याख्या : यहां क्रिया गायन्ति प्रथम पुरुष बहुवचन की क्रिया है इसी कारण कर्ता भी प्रथमा विभक्ति बहुवचन में प्रयुक्त होगा। छात्र		
पठित और लभते दोनों धातुएं प्रथम पुरुष एकवचन की है अतः कर्ता			शब्द अकारांत पुल्लिंग होने के कारण प्रथमा विभक्ति बहुवचन		
भी प्रथम पुरुष एकवचन का ही होगा। पुल्लिंग में प्रथम पुरुष			में छात्राः रूप बनेगा।		
एकवचन में स: शब्द प्रयुक्त होगा।			9. इदं गृहं ममअस्ति।		
4पुत्रः नवम्यां कक्षाय	ां पठति		A. मातुलः	 B. मातुलेन	
A. रमाम्	B. रमायाः			D. मातुले	(C)
C. रमायै	D. रमायाम्	(B)	ŭ	मेरे मामा का है' इस वाक्य में मेरा शब्द	
व्याख्या : रमा का पुत्र नवीं कक्षा में पढ़ता है। इस अर्थ में रमा शब्द में			है तथा मामा विशेष्य। मेरा शब्द की संस्कृत मम होती है और		
षष्ठी विभक्ति एकवचन का प्रयोग होगा। रमा शब्द अकारांत स्त्रीलिंग			यह षष्ठी विभक्ति एकवचन में बनता है। इसी कारण से मातुल		
शब्द है और षष्ठी विभक्ति में रमाया: रूप बनेगा।			शब्द में भी षष्ठी विभक्ति एकवचन का प्रयोग होकर मातुलस्य		
5बिहः रक्षकः तिष्ठति।			शब्द आएगा।		
A. गृहम् C. गृहस्य D. गृहे (C)			10. गङ्गा अस्माकं देशस्य पवित्रतमा अस्ति। A. नदीम् B. नद्या		
व्याख्या : बहि: का अर्थ बाहर इस शब्द के साथ षष्ठी विभक्ति का			C. नद्याः	y an Ad. नदी p	(D)
प्रयोग किया जाता है। यहां घर के बाहर रक्षक बैठा है इस अर्थ में गृह			व्याख्या : यहां गंगा शब्द में प्रथमा विभक्ति एकवचन का प्रयोग है		
शब्द में षष्ठी विभक्ति का प्रयोग होगा। यह शब्द अकारांत			अतः नदी शब्द भी प्रथमा विभक्ति एकवचन में ही प्रयुक्त होगा।		
नपुंसकलिंग होने के कारण षष्ठी विभक्ति में गृहस्य बनेगा।			क्योंकि गंगा एक नदी का नाम है और जिस विभक्ति वचन में		
	-		TTTT 0 (22 3 3 7		LCTTI